आज दफ्तर कैसा रहा अशोक?
बढ़िया. पर कल मुझे एक हफ्ते के लिए दफ्तर के काम से दिल्ली जाना होगा।
पर...पर शुक्रवार का हमारी शादी की सालगिरह है।
माफ करना सावी ऐसा करेंगे कि हम बाद में बढ़िया से मनायेंगे
मुझे ये बिल्कुल पसन्द नहीं एक तो अकेले रहूँ अकेले के लिए पूरा खाना बनाऊँ खाऊँ।
मैं तुम्हारी झुंझलाहट महसूस कर सकता हूँ ऐसा करना पड़ोस के दोनों लड़कों को बुला...
...लेना वो भी खुश हो जायेंगे बिचारे डिब्बा बन्द खाना खा खाकर बोर हो गये होंगे।
WWW.KIRTU.COM

अच्छातो लड़कों, मैं चलता हूँ सविता के पास आते जाते रहना मेरे न होने पर वो बहुत अकेलापन महसूस करती है
आप चिन्ता न करे भाई साहब, हम भाभी का पूरा ख्याल रखेंगे।
आऽऽह, तरुन्न्न्न!
कम से कम मेरे खाना बनाने तक तो सबर कर।
मम्म्म, बऽऽरुन!
अरे ये खाना खाने की मेज है अपनी भाभी की चूत खाने की नहीं।
आऽऽह... मैं झड़ी...
ये हफ्ता वाकई बड़े मजे का बीतेगा
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

हाय राम, ये पैन्ट तो इतनी ढीली है कि यूँही आसानी से नीचे सरक गई।
एऽएक रोटी तो और ले न वरुन।
क्या हुआ भाभी?
आप कुछ परेशान लग रही हैं।
ओह...कुछ नहीं वरुन,
बस आज गरमी थोड़ी ज्यादा है।
WWW.KIRTU.COM

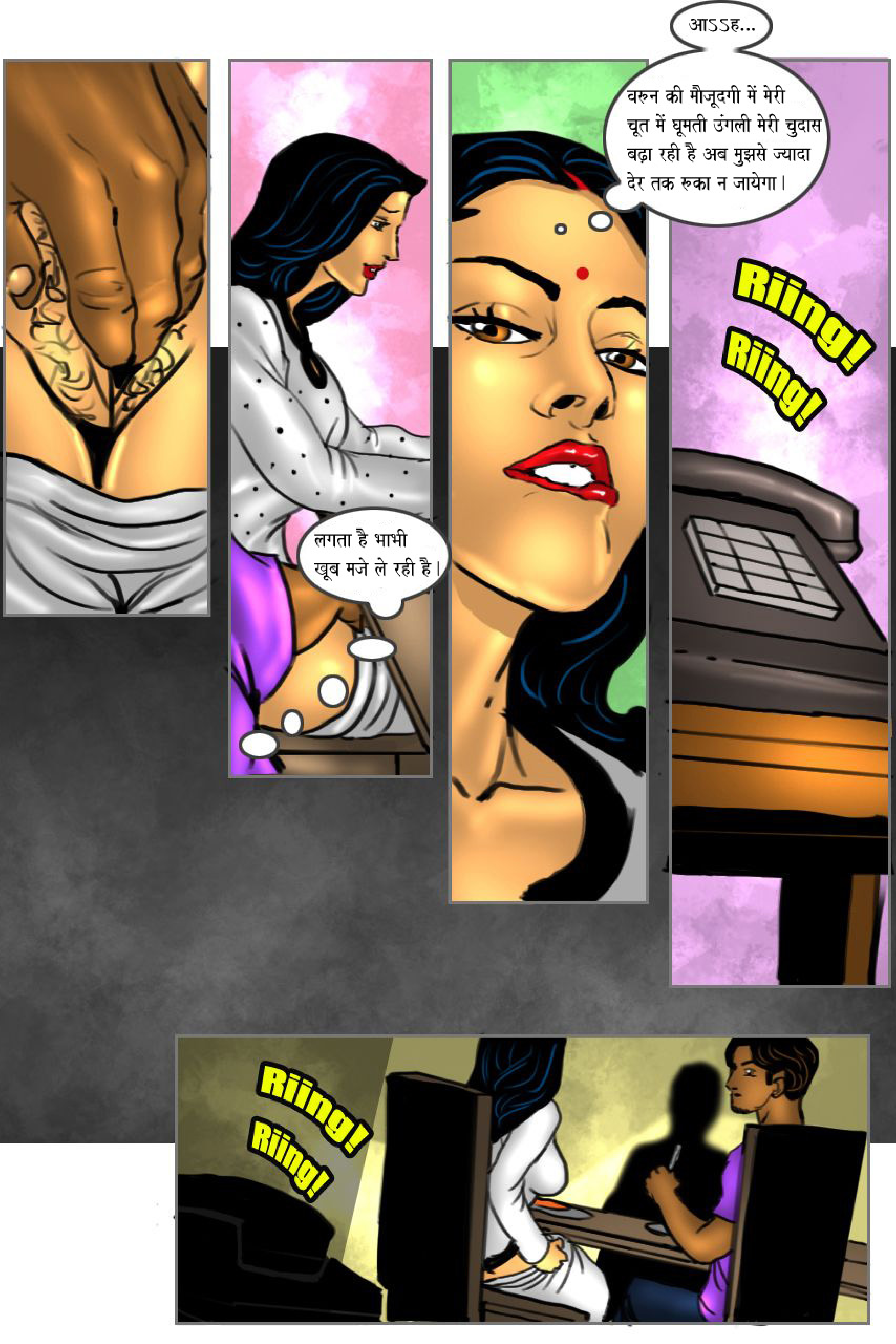

WWW.KIRTU.COM

हाँ अशोक!
हमने अभी अभी लँच खतम किया
ठीक है प्रिय मैं तुम्हें बाद में फोन करती हूँ। बाय।
अरे! तुम क्या जा रहे हो लड़कों, इतनी जल्दी?
हाँ भाभी हमें अपने क्लास जाना है
आज मेरे क्लास वरुन से एक घन्टा पहले खत्म हो जायेंगे भाभी।
उम्मीद है शाम को कुछ गरमागरम खाने को मिलेगा।
WWW.KIRTU.COM

चाय पर
उम्मीद है भाभी तैयार मिलेगी।
Ding Dong!
भई वाऽऽह!
जल्दी कर बच्चे, कहीं तेरी चाय ठन्डी न हो जाये।
उम्म्म्ह! ये इतने भड़कीले कपड़े कहाँ से लायीं भाभी?
उम्म्म्ह! मैं बाजार गई थी कुछ हफ्तों पहले तो...
एक बड़ा मददगार दुकानदार मिला उसी ने ये सुझाई।
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

तो तू अपने सपने पूरे क्यों नहीं करता?
उई माँ! कितना सख्त और गरम!
आऽऽह भाभी! आपकी छातियाँ कितनी रेशमी और गुदगुदी हैं
आऽऽह!
भाभी!!!
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

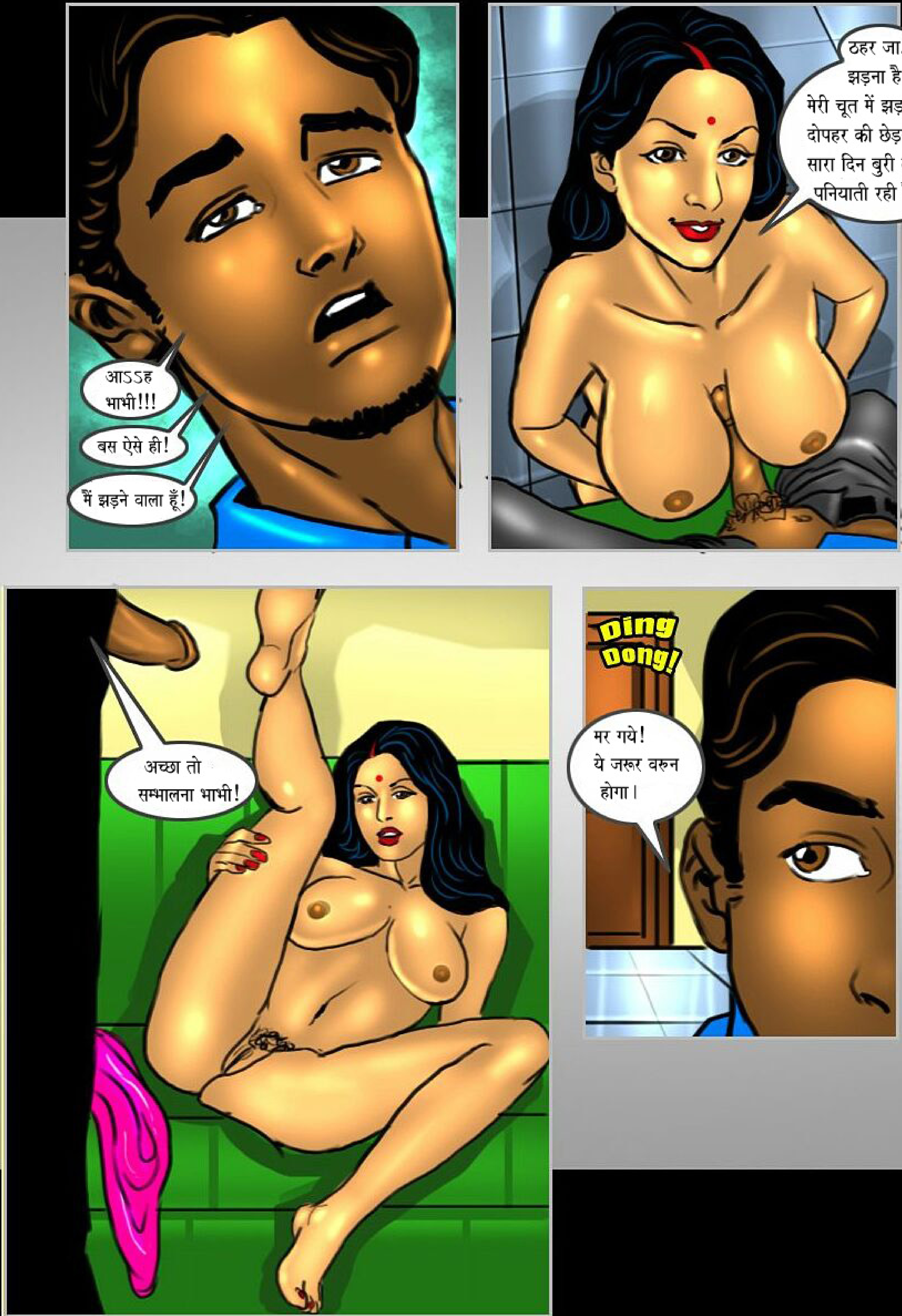

WWW.KIRTU.COM

कुछ ही मिनटों में

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

थोड़ी ही देर में
क्यों न ताश खेले मैं अपने कालेज के जमाने में मैं वास्तव में अच्छी खिलाड़िन थी।
मेरा चेक
मेरी कॉल
ऑऽऊं भाऽभी!
भाभी! बिना पैसे के तीन पत्ती बड़ा उबाऊ लगता है।
हाँ भाभी! वेसे ही खेलते हैं।
हम्म...क्यों न हम कोई और चीज़ दॉव पर लगायें।
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

कुछ बाजियों के बाद

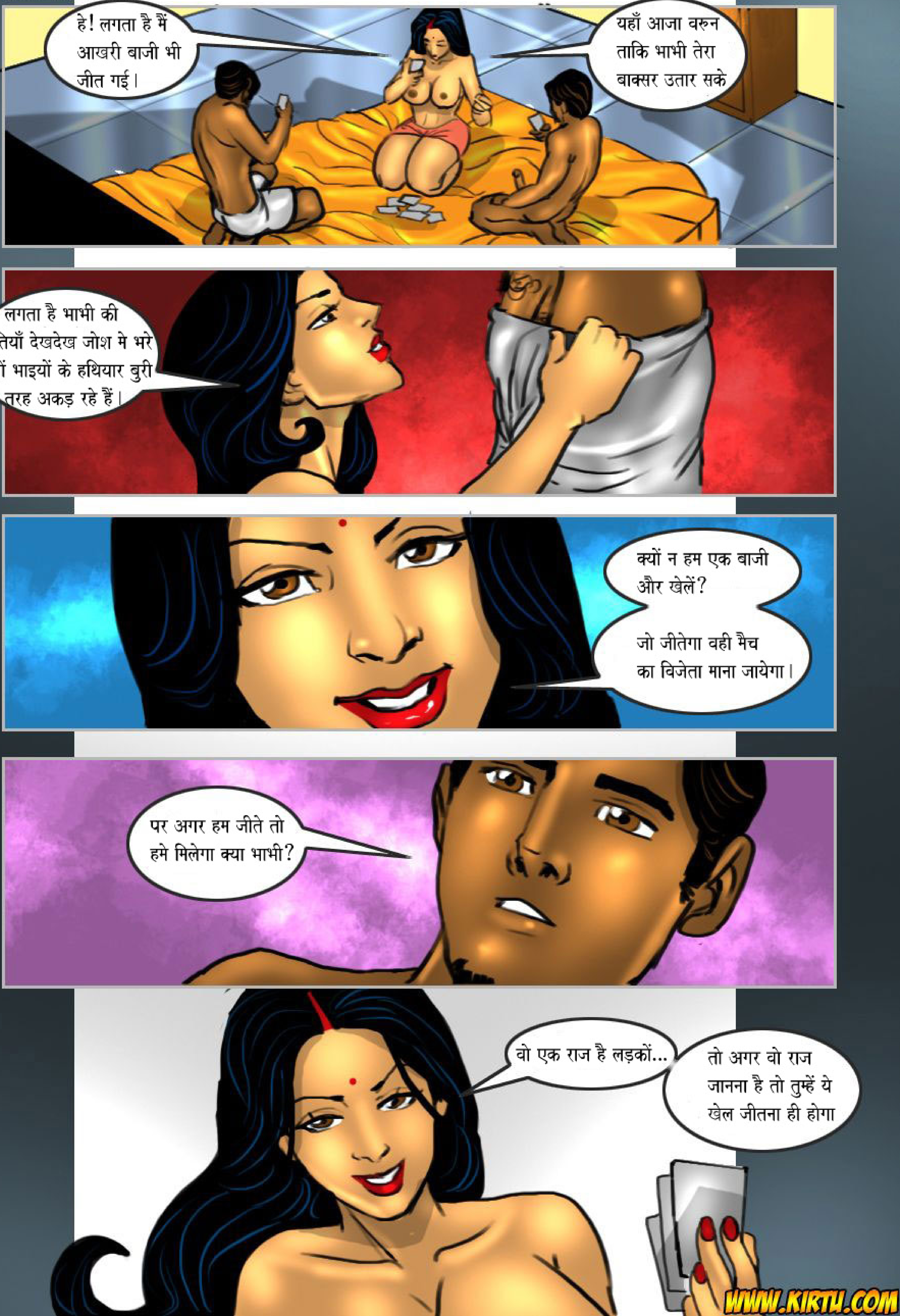

हे! लगता है मैं आखरी बाजी भी जीत गई।
यहाँ आजा वरुन ताकि भाभी तेरा बाक्सर उतार सके
लगता है भाभी की छातियाँ देखदेख जोश मे भरे दोनों भाइयों के हथियार बुरी तरह अकड़ रहे हैं।
क्यों न हम एक बाजी और खेलें?
जो जीतेगा वही मैच का विजेता माना जायेगा।
पर अगर हम जीते तो हमे मिलेगा क्या भाभी?
वो एक राज है लड़कों...
तो अगर वो राज जानना है तो तुम्हें ये खेल जीतना ही होगा
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

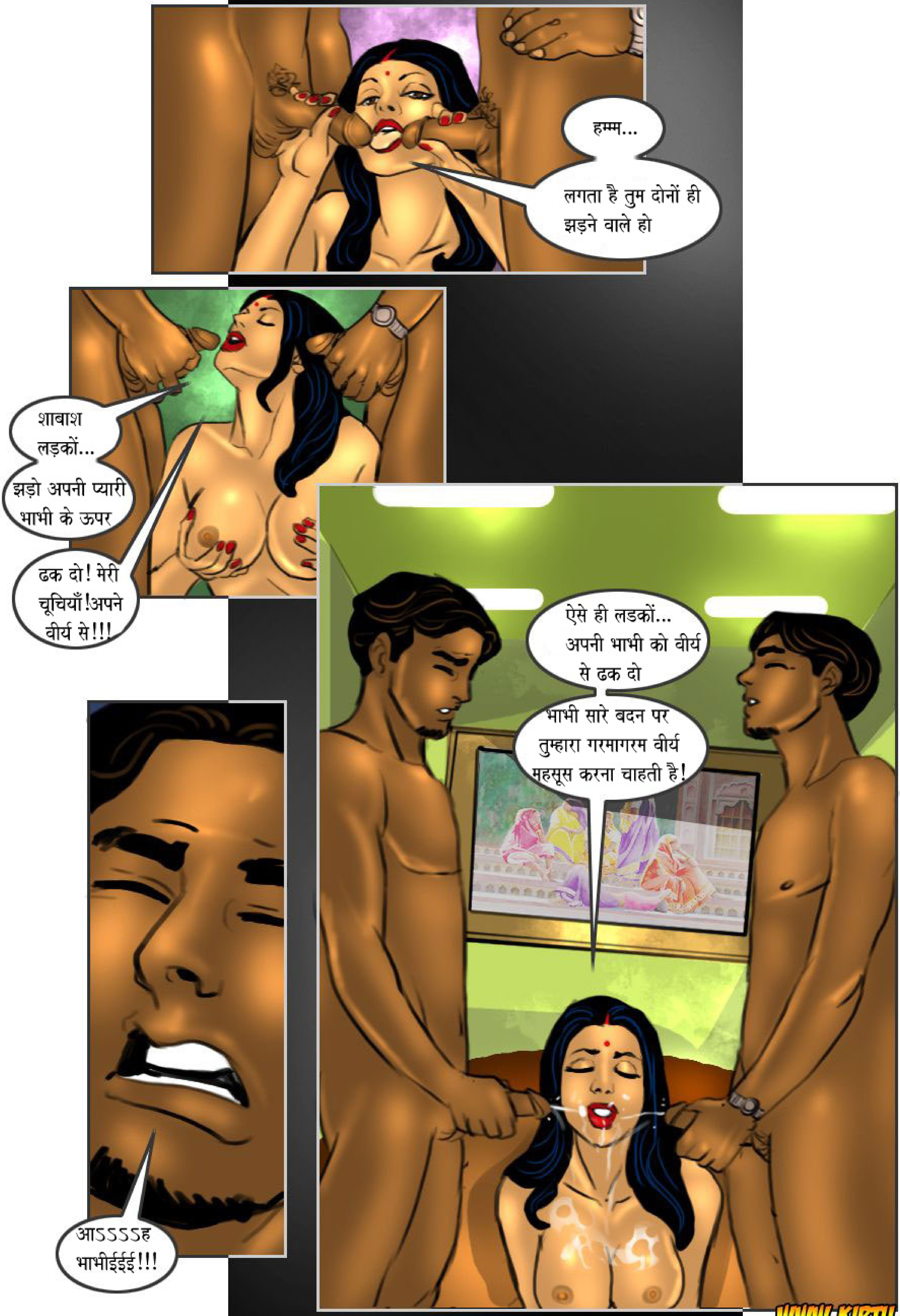

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM